



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 140] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 6, 1996/फाल्गुन 16, 1917  
No. 140] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 6, 1996/PHALGUNA 16, 1917

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूँजी बाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1996

का.आ. 168 (अ).—भारतीय न्याय अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए भारतीय रेगुलेटिंग वित्त निगम लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा प्रतिभूति के रूप में जारी किए गए—

(क) पांच सौ करोड़ रुपये मात्र के कुल मूल्य के प्रत्येक एक हजार रुपये के 16.5 प्रतिशत प्रतिभूत, मोचनीय, अपरिवर्तनीय कर योग्य बांडों (चार हजार आठ सौ, अस्सी रुपये के अंकित मूल्य पर प्रत्येक एक हजार रुपये के मूल्य पर जारी किए गए भारी छूट के बांडों के अलावा); और

(ख) दो सौ पचास करोड़ रुपए मात्र के कुल मूल्य के प्रत्येक एक हजार रुपए के 10.5 प्रतिशत प्रतिभूत, मोचनीय, अपरिवर्तनीय कर-मुक्ति बाण्ड।

को प्राधिकृत करती है।

[फा.सं. 6/2/सीएम/96]

यु. शरत चन्द्रन, संयुक्त सचिव

# MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(CAPITAL MARKET DIVISION)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 6th March, 1996

S.O. 168 (E) :—In exercise of powers conferred by clause (f) of section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises,

- (a) the 16.5% secured, Redeemable, Non-Convertible Taxable Bonds of rupees one thousand each (other than Deep discount Bonds of the face value of rupees four thousand eight hundred eighty each issued at a price of rupees one thousand each) of the aggregate value of rupees five hundred crores only, and
- (b) the 10.5% Secured, Redeemable, Non-Convertible Tax-Free Bonds of rupees one thousand each of the aggregate value of rupees two hundred and fifty crores only,

issued by the Indian Railway Finance Corporation Limited, New Delhi as Security for the purpose of the said section.

[F. No. 6/2/CM/96]

U. SARAT CHANDRAN, Jt. Secy.